No. of Printed Pages : 6

BPY-008

B. A. PHILOSOPHY

(BDP)

Term-End Examination

December, 2020

BPY-008 : MODERN WESTERN PHILOSOPHY

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 100*

Note : (*i*) *Answer all **five** questions.*

(*ii*) *All questions carry equal marks.*

(*iii*) *Answers to the Questions No. **1** and **2** should be approximately **400** words.*

1. Discuss Descartes' method of doubt. What is its relevance in his philosophy ? 20

Or

What are the influences of Renaissance and Enlightenment on Western Philosophy ? Explain. 20

2. Explain the characteristics of 'Substance' as discussed by Spinoza. 20

Or

Explain and examine Locke's rejection of innate ideas. 20

3. Answer any ***two*** of the following in **200** words each approximately :

   (a) Explain the doctrine of pre-established harmony. 10

   (b) Explain Marxian idea of dialectical materialism. 10

   (c) Explain the concept of 'esse est percipi'. 10

   (d) How do we get knowledge according to Kant ? 10

4. Answer any ***four*** of the following in **150** words approximately : 5×4=20

   (a) What is Copernican revolution ? 5

   (b) Why did Berkeley reject abstract ideas ? 5

   (c) Differentiate between Phenomenon and Noumenon. 5

(d) Describe Home's theory of causation. 5

(e) Write a note on Philosophy of Comte. 5

(f) Distinguish between primary and secondary qualtities. 5

5. Write short notes on any ***five*** of the following in **100** words approximately : 4×5=20

(a) Mind-Body dualism 4

(b) Law of sufficient reason 4

(c) Absolute idealism 4

(d) Monads 4

(e) Dialectics 4

(f) Empiricism 4

(g) Scepticism 4

(h) A priori and A posteriori 4

BPY-008

बी. ए. दर्शनशास्त्र (बी.डी.पी.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2020

बी.पी.वाई-008 : आधुनिक पाश्चात्य दर्शन

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : (*i*) सभी ***पाँच*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(*ii*) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

(*iii*) प्रश्न संख्या **1** और **2** में से प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **400** शब्दों में दीजिए।

---

1. देकार्त के संशय पद्धति की चर्चा कीजिए। उनके दर्शन में इस पद्धति का क्या महत्व है ? 20

अथवा

पुनर्जागरण एवं प्रबोधन का पाश्चात्य दर्शन पर क्या प्रभाव पड़ा ? व्याख्या कीजिए। 20

2. स्पिनोजा द्वारा वर्णित द्रव्य की अवधारणा के चरित्रगत लक्षणों की व्याख्या कीजिए। 20

अथवा

लॉक द्वारा जन्मजात प्रत्ययों के सिद्धान्त के निराकरण की व्याख्या एवं परीक्षण कीजिए। 20

3. निम्नलिखित में से किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **200** शब्दों में दीजिए।

(अ) 'पूर्व स्थापित सामंजस्य' के सिद्धान्त की व्याख्या कीजिए। 10

(ब) 'द्वन्द्वात्मक भौतिकवाद' के मार्क्सवादी सिद्धान्त की व्याख्या कीजिए। 10

(स) 'सत्ता दृश्यता है' के सिद्धान्त की व्याख्या कीजिए। 10

(द) काण्ट के अनुसार हम ज्ञान कैसे अर्जित करते हैं ? 10

4. किन्हीं ***चार*** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग **150** शब्दों में दीजिए।

(अ) कॉपरनिकसीय क्रान्ति क्या है ? 5

(ब) बर्कले ने क्यों अमूर्त प्रत्ययों का निराकरण किया ? 5

(स) फिनामेना एवं न्यूमेना में भेद कीजिए। 5

(द) ह्यूम के कारणता सिद्धान्त का वर्णन कीजिए। 5

(य) कॉम्टे के दर्शन पर एक टिप्पणी लिखिए। 5

(र) मूल गुण एवं उपगुण के बीच भेद स्थापित कीजिए। 5

5. निम्नलिखित में से किन्हीं ***पाँच*** प्रश्नों में प्रत्येक पर लगभग **100** शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

(i) मन एवं शरीर का द्वैतवाद 4

(ii) पर्याप्त कारण नियम 4

(iii) निरपेक्ष प्रत्ययवाद 4

(iv) चिद्‌णु (मोनेड्स) 4

(v) द्वन्द्ववाद 4

(vi) अनुभववाद 4

(vii) संशयवाद 4

(viii) प्रागनुभविक एवं उत्तरानुभविक 4